विषय– हिन्दी कक्षा– 5 टर्म– 3

पाठ/अवधारणा/थीम/घटक पाठ 11 नीति के दोहे दिनांक ..... से .....तक

शिक्षण आकलन योजना

समूह 1 के बच्चों के रोल नं0 समूह 2 के बच्चों के

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण अधिगम उद्देश्य :–

1. दोहों को उचित लय एवं गति से पढना। 2. पढकर समझना एवं भावार्थ बताना। 3. पढी गई विषय वस्तु के आधार पर प्रश्नों के उत्तर देना।
4. दाहों को याद कर प्रार्थना सभा में सुनाना। 5. विशेषण की समझ एवं उचित प्रयोग करना।

सम्पूर्ण कक्षा के लिए प्रस्तावित गतिविधियॉ	सतत आकलन योजना	समीक्षा एवं अनुभव
(सामूहिक ; उपसमूह एवं व्यक्तिगत)		(बच्चों की सहभागिता/कठिनाई एवं योजना में बदलाव के बारे में)
सामूहिक कार्य– 1. शिक्षक पाठ में दिए चित्रों से बालकों का परिचय करवाएगा। 2. शिक्षक उचित लय एवं गति से दोहों का वाचन करेगा साथ में बालकों को भी निर्देश देगा। 3. शिक्ष्क प्रत्तेक दाहे का भावार्थ समझाएगा एवं कठिन शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखेगा। 4. भाषा की बात में अध्यापक विशेषण शब्दों की पहचान करवाएगा । 5. पंक्ति को पूरा करें:– बुरा जो देखन मैं चला;..... । (कार्य करना)	बालकों के ध्यानपूर्वक सुनकर भावार्थ समझने का आकलन करना	साप्ताहिक .....से .....तक
उपसमूह कार्य– 1. उपसमूह में बालको को संवादात्मक रूप से दाहे वाचन करने का निर्देश देना। 2. कठिन शब्दों का अर्थग्रहण करना जैसे:– मिलिया–मिला; सरवर–तालाब आदि। 3. दाहे याद कर कक्षा में प्रस्तुतिकरण करना।	दोहों को लय एवं गति के साथ पढने का आकलन करना	
व्यक्तिगत कार्य– 1. प्रत्तेक बालक को दोहों का वाचन करनें का निर्देश देना। 2. पाठ में दिए दोहों को याद करना। 3. पाठ में दिए अभ्यास कार्य को करना।	पढनें की गति एवं किए कार्य की जाँच करना	

http://rajteachers.com/cce.php

समूह 1 के लिए क्षमता संवर्धन योजना :–	अपेक्षित दक्षता की	पाक्षिक
1. दोहे याद करना एवं प्रार्थना सभा में सुनाना।	प्रगति नोट करना	——————से ——————तक
2. कठिन शब्दों के अर्थ याद करना जैसेः– तरूवर–पेड; मिताई–दोस्ती; कुटुम–परिवार आदि।		
3. अन्य दोहों की पुस्तकें पढने को देना।		
समूह 2 के लिए उद्देश्य –		
1. बालक दाहों को पढने के प्रति रूचि लेना। 2. दोहों को पढने की समझ विकसित होना।		
3. दोहे पढकर उनका भावार्थ समझना।		
समूह 2 के लिए आवश्यकतानुसार शिक्षण योजना (सामूहिक ; उपसमूह ; व्यक्तिगत)		
सामूहिक कार्य–	बालकों की उच्चारण	
1. शिक्षक दोहे का वाचन करेगा साथ–साथ बालक भी करेगें।तथा भावार्थ भी बताना।	की लय एवं गति का	
2. बीच–बीच में बालकों से प्रश्न पूछकर अर्थग्रहण की जाँच भी करना।	आकलन करना	
3. कठिन शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखना एवं उच्चारण करवाना।		
उपसमूह में कार्य–	सहभागिता का आकलन	
1. बालकों को उपसमूह में दोहे वाचन का निर्देश देना।	करना	
2. समूह में अलग–अलग दोहा देकर उसका भावार्थ लिखवाना।		
3. विशेषण शब्दों पर कार्य करना जैसेः–भला आदमी; गहरा तालाब; सुंदर फूल आदि।		
व्यक्तिगत कार्य–	जाँचना एवं दर्ज करना	
1. दोहों का वाचन करनें का निर्देश देना।		
2. पाठ में दिए अभ्यास कार्य को करवाना।		
पाक्षिक योजना में अधिगम उपलब्धि –	संस्था प्रधान का अभिमत :–	